Skill Development Programme

For Answer Writing

Indian Society (Model Answer)

DATE : 12-April-2018 **TIME : 03:15 pm**

मुख्य परीक्षा

प्रश्न- **''जाति व्यवस्था, भारतीय सामाजिक व्यवस्था के एक अनिवार्य अंग के रूप में है, जिसमें एक ओर कई गुण पाये जाते हैं, तो वहीं दूसरी ओर यह कई दोषों में भी युक्त है।'' उपर्युक्त कथन की समीक्षा कीजिए। (250 शब्द)**

"Caste system is an important part of Indian Social System, one side it has many advantages and on the other side it has many disadvantages also." Comment. (250 Words)

MODEL ANSWER

मुख्य बिन्दु

- भूमिका में जाति व्यवस्था को स्पष्ट करें।
- अगले पैरा में जाति व्यवस्था के प्रमुख गुणों को बताएं।
- फिर अगले पैरा में जाति व्यवस्था के प्रमुख दोषों को बताएं।
- अंत में संक्षिप्त निष्कर्ष दें।

उत्तर- जाति व्यवस्था, भारतीय समाज की प्रमुख विशेषता है, जो भारतीय समाज में सामाजिक स्तरीकरण के एक प्रमुख स्थल को परिलक्षित करती है। जाति व्यवस्था के अंतर्गत भारतीय समाज कुछ जातीय समूहों में वर्गीकृत है और ये समूह सोपानिक रूप से एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।

जाति व्यवस्था के प्रमुख गुण :

- जाति व्यवस्था प्रत्येक व्यक्ति को स्थिर सामाजिक पर्यावरण प्रदान करती है।
- जाति व्यवस्था एक ही जाति के सदस्यों में सद्भावना एवं सहयोग की भावना विकसित करती है। निर्धन और जरुरतमंदों की सहायता करती है।
- यह व्यक्ति के आर्थिक व्यवसाय का निर्धारण करती है। प्रत्येक जाति का एक विशिष्ट व्यवसाय होता है।
- चूंकि जाति व्यवस्था को भोजन, संस्कार और विवाह संबंधी जातिगत नियमों के पालन का आदेश देती है। अतः रा. जनीतिक एवं सामाजिक विषयों पर उसके विचार व बौद्धिक क्षमता उसकी जातीय प्रथाओं द्वारा प्रभावित हो जाते हैं।
- यह सामाजिक जीवन के लिए आवश्यक विभिन्न कार्यों- शिक्षा, शासन, घरेलू सेवा आदि का प्रबंध, धार्मिक विश्वास, कर्म सिद्धान्त में विश्वास की संतुष्टि करता है।
- इसने सामाजिक जीवन को राजनीतिक जीवन से पृथक रखकर अपनी स्वतंत्रता को राजनीतिक प्रभावों से मुक्त रखा गया है।

जाति व्यवस्था के दोष

- चूंकि व्यक्ति को अपने जातीय व्यवसाय को ही करना पड़ता है, जिसे वह अपनी इच्छा अथवा अनिच्छा के अनुसार बदल नहीं सकता एवं इसने श्रम की गतिशीलता को रोका है।
- इसने अस्पृश्यता को जन्म दिया है। इसके अतिरिक्त इसने अन्य दोषों, यथा बाल-विवाह, दहेज प्रथा, पर्दा प्रणाली और जातिवाद को भी जन्म दिया है।
- इसने एक जाति को दूसरी जाति से पृथक करके तथा उनके बीच किसी भी सामाजिक अन्तर्क्रिया को प्रतिबंधित करके हिन्दू समाज में सद्भावना एवं एकता के विकास को रोका है।
- जाति व्यवस्था देश की एकता में बाधक सिद्ध हुई है। जाति-भक्ति की भावना ने दूसरी जातियों के प्रति घृणा उत्पन्न की जो राष्ट्रीय चेतना के विकास के लिए अनुकूल नहीं है।
- जाति-व्यवस्था अप्रजातंत्रीय है, क्योंकि इसने सबको जाति, रंग अथवा विश्वास के भेदभाव के आधार पर समानता के अधिकार से बंचित कर दिया है।

* * *